वन्य जीव सप्ताह आयोजन पर रिपोर्ट-2025

Report on Celebration of Wild Life Week-2025

भा.वा.अ.शि.प.-हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान द्वारा "उत्तर पश्चिमी हिमालय क्षेत्र के औषधीय पौधों की विविधता, संरक्षण, उपयोग और विपणन" विषय पर आयोजित तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम के प्रतिभागियों को कुफरी स्थित हिमालयन नेचर पार्क (Himalayan Nature Park/ Kufri Zoo) का दिनांक 7 अक्टूबर 2025 को भ्रमण करवाया गया। यह भ्रमण **वन्य जीव सप्ताह -2025** के आयोजन के अंतर्गत आयोजित किया गया । डॉ. संदीप शर्मा, वैज्ञानिक ने प्रतिभागियों को **वन्यजीव और मानव के बीच होने वाले संघर्ष (Human-Wildlife Conflict)** की गंभीरता, उसके कारणों और उससे निपटने के उपायों के बारे में विस्तार से जानकारी दी । उन्होंने यह भी समझाया कि किस प्रकार से बढ़ती जनसंख्या, वनों की कटाई और प्राकृतिक आवासों में हस्तक्षेप के कारण इन संघर्षों में वृद्धि हो रही है । उन्होंने जंगलों में जंगली फलों की प्रजातियों के रोपण पर जोर दिया । डॉ. अश्वनी तपवाल, प्रमुख विस्तार प्रभाग ने पारिस्थितिकी तंत्र के स्वास्थ्य में वन्यजीवों के महत्व पर प्रकाश डाला । उनका मानना था कि सार्वजनिक स्थानों पर वन्यजीवों को छेड़ना और खिलाना नहीं चाहिए । डॉ. जोगिंदर चौहान ने मिशन लाइफ के बारे में बात की और कहा कि नेचर पार्क को कचरा मुक्त बनाने के लिए लोगो को जागरूक किया जाना चाहिए । उन्होने कहा कि कि अगर पर्यटकों द्वारा फैलाया जात है तो उन्हे दंडित किया जाना चाहिए । **श्रीमती सीमा** चौहान, वनरक्षक और **श्री संजीव शर्मा**, वनरक्षक एवं **श्री बाबूराम, सहयाक ने** प्रतिभागियों को **'जू' में निवास कर रहे विभिन्न जंगली जानवरों और पक्षियों**, जैसे कि हिमालयन ख़लीज, जंगली मुर्गा, हिमालयन मोनाल, भालू, तेंदुआ, सांभर, हिमालयन थार, कस्तूरी मृग इत्यादि के रहन-सहन, खान-पान और व्यवहार संबंधी विशेष जानकारियाँ दी गईं ।अंत में, प्रतिभागियों को प्रेरित किया गया कि वे अपने समुदाय और आसपास के लोगों को भी वन्यजीव संरक्षण, मानव-वन्यजीव संघर्ष की रोकथाम और पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक करें । इस कार्यक्रम द्वारा न केवल ज्ञानवर्धक किया गया, बल्कि प्रतिभागियों को धरातलीय अनुभव भी प्रदान किया ।

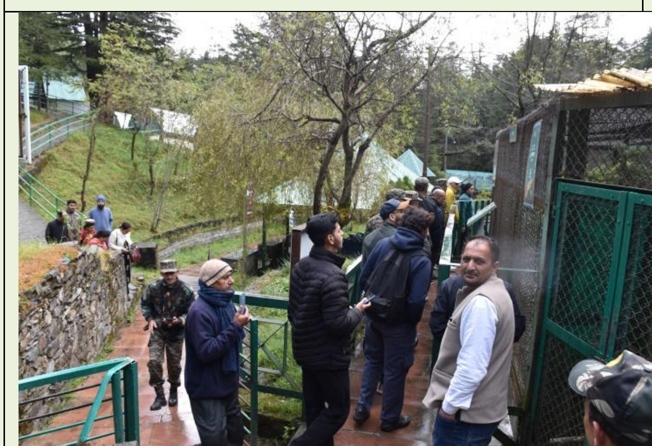
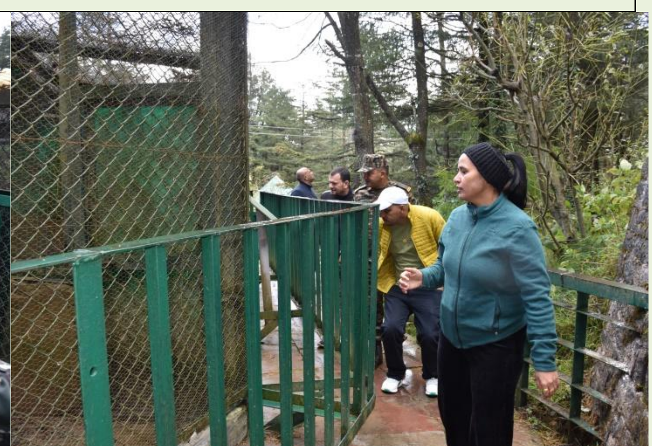

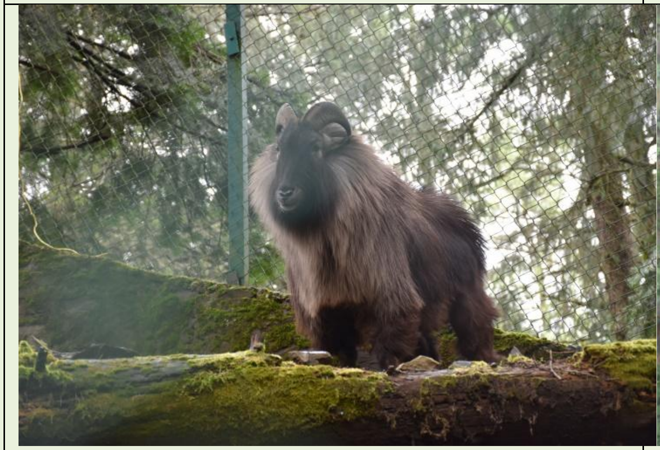

****